

कर्म ही जीवन है।

नियत में रख महानत अपनी
होठों पर रख मुस्कान
बिन स्वार्थ कर्म तू करता जा
तुझे फल देगे भगवान।

न धर अंत है जीवन का
तू करता रह प्रयास
ये जग दैगा तेरा एक दिन
तू मन में रख विश्वास
पार-2 टकरा कर लहरें
सागर की तोड़ें चट्टान
बिन स्वार्थ कर्म तू करता जा
तुझे फल देगे भगवान।

इस जग में जो भी आया है
एक दिन उसको जाना होगा
उससे पहले लक्ष्य को अपन
तुझको तो पाना होगा
जीवन को सफल है जिसमें किया
वही है सच्चा इन्सान
बिन स्वार्थ कर्म तू करता जा
तुझे फल देगे भगवान।

NAME - Chamchal
Kumari

CLASS - Xth